डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा हिंदी साहित्य एवं बौद्ध दर्शन विषय पर व्याख्यान आयोजित
मोहनदास नैमिषराय ने प्रस्तुत किया व्याख्यान

नई दिल्ली। 20 जून 2024; साहित्य अकादेमी द्वारा आज 'साहित्य मंच' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रसिद्ध लेखक और चिंतक मोहनदास नैमिषराय के व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय था ''हिंदी साहित्य और बौद्ध दर्शन''। मोहनदास नैमिषराय ने विस्तार से हिंदी साहित्यकारों और दलित साहित्यकारों द्वारा लिखे गए ऐसे साहित्य का विवरण दिया जो बौद्ध धर्म एवं दर्शन से प्रभावित थे। उन्होंने कहा कि मेरे मत में बौद्ध धर्म सबसे पुराना वैश्विक धर्म है। बौद्ध धर्म के प्रभाव के बाद ही दलित साहित्य का मूल स्वर विद्रोही बना। उन्होंने सबसे पहली लेखिकाओं के तौर पर थेरी महिलाओं का उल्लेख करते हुए उनकी गाथाओं को संदर्भित किया और बताया कि यह उत्पीड़न के खिलाफ पहली आवाज थी। उन्होंने सरहपा, कबीर, रविदास, कश्मीर की ललद्यद आदि का उल्लेख करते हुए आधुनिक समय में भदंत आनंद कौशल्यायन, राहुल सांकृतयानन, जैनेंद्र कुमार, रामवृक्ष बेनीपुरी, उदयशंकर भट्ट, रांगेय राघव आदि का जिक्र करते हुए दलित साहित्यकारों में चंद्रिका प्रसाद जिज्ञासु, रामस्वरूप वर्मा, जयप्रकाश कर्दम, लक्ष्मीनारायण सुधाकर, प्रबोधनारायण बौद्ध, शील बोधि, मुकेश मानस आदि कई अन्य लेखकों को संदर्भित किया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर देते हुए कहा कि यह विषय अपने आप में बहुत बड़ा है और इसपर विस्तार से काम करने की अनेकों संभावनाएँ हैं। कार्यक्रम का संचालन और अंत में धन्यवाद ज्ञापन अकादेमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया।

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in